Shri Muniswamy: May I know, Sir, when this service was started, and is there any necessity or possibility of renewing this service?

Mr. Deputy-Speaker: It is closed. It is a suggestion for action.

Rajkumari Amrit Kaur: The service has been dissolved. As a matter of fact, we are considering whether for Central Government servants it might not now again be possible to revive an all-India cadre which would include men and women.

Kumari Annie Mascarene: One more question, Sir.

Mr. Deputy-Speaker: No. I have already allowed many questions.

Shri R. K. Chaudhuri: I wanted to ask a question.

Mr. Deputy-Speaker: No. Next question.

RAILWAY ACCIDENTS

*1381. **Shri M. L. Dwivedi:** (a) Will the Minister of **Railways** be pleased to state whether Government are aware that railway accidents are, of late, on the increase?

(b) What steps have been taken and are likely to be taken to prevent occurrence of railway accidents?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan): (a) There has not been an increase in Railway accidents.

(b) Information is laid on the Table of the House. [*See* Appendix VI, annexure No. 55].

श्री एम० एल० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि मथुरा में जो अभी रेलवे ऐक्सीडेंट हुआ, उसमें लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक़ कितनी जानें गयीं और कितना नुक़सान पहुंचा ?

श्री शाहनवाज़ खां : उसकी तफ़सील अखबार में दी गयी है ।

श्री एम० एल० द्विवेदी : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो इनफ़ारमेशन आपने हाउस के टेबल पर रक्खी है जिसमें मैकिनिकल डिवाइसेज़ के करने की बात कही गयी है, मैं जानना चाहता हूं कि भविष्य में रेलवे ऐक्सीडेंट्स को रोकने के सिलसिले में इस साल सरकार कितना धन खर्च कर रही है और क्या इसके लिये कुछ और अधिक खर्च मंजूर किया जा रहा है और यदि हां, तो कितना ?

रेल तथा यातायात मंत्री (श्री एल० बी० शास्त्री) : मथुरा में जो रेलवे ऐक्सीडेंट हुआ था, उसमें कितने आदमी मरे या ज़ख्मी हुये, उसकी ठीक फ़िगर तो इस वक्त सामने नहीं है, लेकिन यह ख्याल किया जाता है कि ६ आदमी मारे गये और ४९ आदमी ज़ख्मी हुये । इंटरलौकिंग सिस्टम को चालू करने के लिये सरकार बमक़ाबले पहले के काफ़ी रुपया खर्च कर रही है और इसके लिये हमने एक पंचसाला प्रोग्राम भी बनाया है जिसकी बुनियाद पर इस काम को आगे बढ़ाने की कोशिश की है कि जहां तक मुमकिन हो, ज्यादा से ज्यादा स्टेशनों को हम इसमें शामिल करें ।

श्री जांगड़े : इन रेलवे दुर्घटनाओं के प्रधानतः क्या कारण हैं और क्या मैं उन्हें जान सकता हूं ?

श्री एल० बी० शास्त्री : अब कारण तो अलग अलग होते हैं । जहां तक हेड आन कोलीज़न की बात है यह अक्सर स्टाफ़ की ग़लती और ग़फ़लत के कारण होते हैं जैसे सिगनल डाउन नहीं है तब भी रेल चली आ रही है और गाड़ी का ड्राइवर सिगनल नहीं देखता, हेड आन कोलीज़न जो इधर तीन चार हुये यह स्टाफ़ की ग़लती से हुये ।

श्री सिंहासन सिंह : अभी सरकार ने जवाब दिया कि अखबारों से मालूम हुआ

कि मथुरा में कितनी जानें गयीं, क्या सरकार अपने जवाब को अखबारों के बिना पर क़ायम रखती है ?

श्री एल० बी० शास्त्री: जी नहीं, पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी ने तो यह कहा था कि उन के पास अंक नहीं हैं, इसलिये उन्होंने कहा कि अखबारों में शाया हुई होगी, मगर अखबार के आधार पर तो हम चल नहीं सकते जब तक हमारे सामने आफ़िशियल रिपोर्ट न आये ।

श्री सिंहासन सिंह : क्या आप बता सकते हैं कि कितनी जानें गइं ?

डा० राम सुभग सिंह: अभी द्विवेदी जी के प्रश्न के उत्तर में कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिये क्या ज्यादा खर्च का इन्तज़ाम किया जायेगा, मंत्री जी ने कहा कि हां, समुचित खर्च का प्रबन्ध किया जायेगा । मैं जानना चाहता हूं कि ज्यादा रुपया खर्च करने से दुर्घटनायें रुकेंगी या ज्यादा सावधानी बरतने का उपाय किया जायेगा ?

श्री एल० बी० शास्त्री: दोनों बातें की जायेंगी । सावधानी भी बरतनी होगी और जो हमारा इन्टरलाकिंग सिस्टम है उस के इक्विपमेंट और सामान पर काफ़ी रुपया भी खर्च करना होगा ।

मध्य प्रदेश में रेलवे लाइन का निर्माण

*१३८२. **श्री जांगड़े** : क्या रेल मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे :

(क) मध्य प्रदेश में चांपा से कोरबा तक और चिरमिरी से बरुवाडीत तक रेलवे लाइन के निर्माण में कहां तक प्रगति हुई है ;

(ख) इस पर अब तक कितना व्यय हो चुका है ;

(ग) चांपा में १९४९, १९५० और १९५१ में पड़ी हुई सामग्री का चांपा-कोरबा लाइन के निर्माण में कहां तक प्रयोग किया गया है ; और

(घ) चांपा में कितने की निर्माण-सामग्री बेकार पड़ी हुई है ?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan): (a) The construction of Champa-Korba line is to be commenced after the present monsoon. The construction on the Baruwadeet-Chirimiri line was suspended in March, 1950.

(b) No actual expenditure has so far been incurred on Champa-Korba line, though acquistion of land is under progress. The total expenditure incurred on the construction of Baruwadeet-Chirimiri project came to Rs. 1·53 crores.

(c) Does not arise in view of the reply to part (a) above.

(d) There is no railway material intended for Champa-Korba construction lying at Champa.

श्री जांगड़े : क्या मैं जान सकता हूं कि बरवाडीत-चिरमिरी की लाइन पर सन् १९४९-५० के बजट सत्र में जो आप ने बताया कि १·५३ करोड़ रुपया खर्च हुआ, तो उतना खर्च करने के बाद भी सरकार ने इस लाइन के निर्माण करने पर आपत्ति क्यों उठाई ?

श्री शाहनवाज़ खां : गवर्नमेन्ट की यह स्कीम थी कि बरवाडीत-चिरमिरी लाइन जो है उस को कम्प्लीट किया जाय और बरवाडीत-सरनडीत का ४० मील का पहला सेक्शन था उस पर काम शुरू किया गया था । उस के ऊपर यह सारा खर्च हुआ; बाद में जिस मकसद के लिये यह लाइन बनाई जा रही थी, यानी यह कि उस इलाके में जो कोयले की खानें थीं उन में से कोयला निकालने के लिये बनाई जा रही थी, लेकिन बाद में जब लाइन शुरू हो गई तो मालूम हुआ कि वह एरिया अच्छी तरह से कोयले के लिये डेवलप नहीं हुई है और जो कोयला वहां से निकला है वह भी बहुत अच्छे किस्म का नहीं है, और सरकार